



Annual report of department activities 2025-26 (Department of ElEd)

The Department curated a series of enriching academic engagements aimed at broadening students' perspectives and strengthening their academic exposure during the session.

A workshop titled 'The Art of Story-Telling: A Workshop for Emerging Narrators' was conducted in November 2025 in offline mode by Ms. Sanita Sharma, an independent storyteller. In the same month, another workshop was organised and facilitated by Mr. Pranod Kumar, Retired Faculty, NCERT, on making simple puppets out of paper, socks and cloth and on using these puppets in storytelling.

An offline Faculty Development Programme in ICT and Emerging Technologies for Teachers, Teacher Educators, and Pupil Teachers in Teacher Education Institutions was organised on 16 January 2026 in collaboration with CIET. NCERT.

The Department also organised a two-day offline University Interaction and Career Guidance Programme on the theme 'What Next? Progression to Postgraduate Courses in Education and Development Sectors' on 16-17 February 2026. The resource persons included Mr. Chetan Anand (Azim Premji University, Bhopal), Ms. Fariba Siddiqui (Jamia Millia Islamia, Delhi), Dr. Sunita Singh (Ambodkar University, Delhi), Dr. Sunita Singh (University of Delhi), Dr. Pooja (Guru Gobind Singh Indraprastha University), Ms. Garima Gupta (Azim Premji University, Bangalore), and Prof. Shivali Tukdeo, Mahindra University.

The Department also organized a Craft Workshop, conducted by Ms. Seema Saini, Fievicryl, on 18 September 2025. The workshop provided participants with an opportunity to engage in creative and hands-on activities. It highlighted the value of craft-based learning in encouraging creativity, practical skills, and experiential learning.

Further, a talk titled "Educational Aspirations, Experiences and Trajectories: Insights from a Balmiki Colony in Delhi" was delivered on 25 November 2025 by Dr. Sriti Ganguly, Faculty, O.P. Jindal University as the pre-conference event under CESI conference 2025.

Another invited session, 'Beyond the Classroom: Alternative Visions of Learning', was conducted on 14 November 2025 by Ms. Nidhi Solanki, Education Quality Programme Strengthening Officer, Muskaan, Bhopal.

These programmes collectively enriched students' academic exposure by fostering creative expression, research orientation, technological competence, career guidance, and critical engagement with inclusive and alternative perspectives in education.



विभाग की गतिविधियाँ 2025-26 (प्रारंभिक शिक्षा विभाग)

सत्र के दौरान विभाग ने छात्रों के दृष्टिकोण को व्यापक बनाने और उनके शैक्षणिक अनुभव को सुदृढ़ करने के उद्देश्य से कई समृद्ध शैक्षणिक गतिविधियों की एक श्रृंखला आयोजित की।

‘द आर्ट ऑफ स्टोरी-टेलिंग: ए वर्कशॉप फॉर इमर्जिंग नैरेटर्स’ शीर्षक से एक कार्यशाला नवंबर 2025 में ऑफलाइन माध्यम से स्वतंत्र कहानीकार सुश्री सनीता शर्मा द्वारा आयोजित की गई। इसी माह, एक अन्य कार्यशाला का आयोजन एवं संचालन एनसीईआरटी के सेवानिवृत्त संकाय सदस्य श्री प्रणोद कुमार द्वारा किया गया। इस कार्यशाला में कागज़, मोज़ों और कपड़े से सरल कठपुतलियाँ बनाने तथा कहानी-कथन में इन कठपुतलियों के उपयोग के बारे में प्रशिक्षण दिया गया।

शिक्षक शिक्षा संस्थानों में शिक्षकों, शिक्षक-शिक्षकों तथा प्रशिक्षु शिक्षकों के लिए आईसीटी एवं उभरती प्रौद्योगिकियों पर एक ऑफलाइन संकाय विकास कार्यक्रम 16 जनवरी 2026 को CIET, NCERT के सहयोग से आयोजित किया गया।

विभाग ने 16-17 फरवरी 2026 को ‘व्हाट नेक्स्ट? प्रोग्रेशन टू पोस्टग्रेजुएट कोर्सेज इन एजुकेशन एंड डेवलपमेंट सेक्टर्स’ विषय पर दो दिवसीय ऑफलाइन विश्वविद्यालय संवाद एवं करियर मार्गदर्शन कार्यक्रम भी आयोजित किया। इस कार्यक्रम में विभिन्न संस्थानों से संसाधन व्यक्तियों ने भाग लिया, जिनमें श्री चेतन आनंद (अजीम प्रेमजी विश्वविद्यालय, भोपाल), सुश्री फ़रीबा सिद्दीकी (जामिया मिल्लिया इस्लामिया, दिल्ली), डॉ. सुनीता सिंह (अंबेडकर विश्वविद्यालय, दिल्ली), डॉ. सुनीता सिंह (दिल्ली विश्वविद्यालय), डॉ. पूजा (गुरु गोबिंद सिंह इंद्रप्रस्थ विश्वविद्यालय), सुश्री गरिमा गुप्ता (अजीम प्रेमजी विश्वविद्यालय, बेंगलुरु) तथा प्रो. शिवाली तुकदेओ (महिंद्रा विश्वविद्यालय) शामिल थे।

विभाग ने 18 सितंबर 2025 को सुश्री सीमा सैनी, Fievicryl, द्वारा संचालित एक क्राफ्ट कार्यशाला का भी आयोजन किया। इस कार्यशाला ने प्रतिभागियों को रचनात्मक एवं व्यावहारिक गतिविधियों में सक्रिय रूप से भाग लेने का अवसर प्रदान किया। इसमें रचनात्मकता, व्यावहारिक कौशल तथा अनुभवात्मक अधिगम को प्रोत्साहित करने में शिल्प-आधारित अधिगम के महत्त्व को रेखांकित किया गया।

इसके अतिरिक्त, ‘शैक्षिक आकांक्षाएँ, अनुभव और यात्राएँ: दिल्ली की एक वाल्मीकि कॉलोनी से प्राप्त अंतर्दृष्टियाँ’ शीर्षक से एक व्याख्यान 25 नवंबर 2025 को ज़िंदल विश्वविद्यालय की संकाय सदस्य डॉ. सृति गांगुली द्वारा CESI सम्मेलन 2025 के प्री-कॉन्फ्रेंस कार्यक्रम के अंतर्गत दिया गया।

एक अन्य आमंत्रित सत्र ‘कक्षा से परे: अधिगम की वैकल्पिक दृष्टियाँ’ 14 नवंबर 2025 को सुश्री निधि सोलंकी, एजुकेशन क्वालिटी प्रोग्राम स्ट्रैथनिंग ऑफिसर, मुस्कान, भोपाल द्वारा आयोजित किया गया।

इन सभी कार्यक्रमों ने सामूहिक रूप से छात्रों के शैक्षणिक अनुभव को समृद्ध किया। इन गतिविधियों के माध्यम से रचनात्मक अभिव्यक्ति, अनुसंधान अभिमुखता, तकनीकी दक्षता, करियर मार्गदर्शन तथा शिक्षा के क्षेत्र में समावेशी और वैकल्पिक दृष्टिकोणों के साथ आलोचनात्मक जुड़ाव को बढ़ावा मिला।